# स्टार्टअप और ग्रामीण उद्यमों को ऋण प्रवाह

## चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करने और **स्वरोज़गार के अवसर सृजन** करने हेतु **स्टार्टअप तथा ग्रामीण उद्यमों को संस्थागत ऋण प्रवाह को आसान बनाया** है।

- इसके अलावा, **राज्य पर्यटन विभाग ने ग्रामीण पर्यटन को बेहतर बनाने** और [रोज़गार](#) सृजन के लिये **दो समझौतों पर हस्ताक्षर** किये हैं।

## मुख्य बिंदु:

- राज्य ने दो ऋण योजनाओं के तहत लगभग 8,300 उद्यमों को वित्तपोषित करने की योजना बनाई है: **मुख्यमंत्री युवा स्वरोज़गार योजना (MYSY)** और **मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोज़गार योजना (MMGRY)**।
    - राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (SLBC) की रिपोर्ट के अनुसार, MYSY और MMGRY के तहत क्रमशः **6,259 तथा 723 इकाइयों को स्वीकृति दी गई** है।
- **स्टार्टअप और ग्रामीण उद्यमों को 163 करोड़ रुपए से अधिक का संस्थागत वित्त पोषण** मिला है।
    - MYSY के तहत, **राज्य उद्योग स्थापित करने के लिये 25 लाख रुपए** तक और **सेवा क्षेत्र की संस्थाओं के लिये 10 लाख रुपए तक का ऋण** प्रदान करता है।
    - उत्तर प्रदेश में लगभग **52 सरकारी मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटर हैं और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग के साथ 7,200 से अधिक स्टार्टअप** पंजीकृत हैं।
- हस्ताक्षरित समझौतों से **स्थायी पर्यटन और सामुदायिक सशक्तीकरण को बढ़ावा** मिलेगा तथा **सुविधाओं एवं बुनियादी ढाँचे में वृद्धि** होगी, जिससे पर्यटकों को स्थानीय ग्रामीण जीवन का एक प्रामाणिक अनुभव मिलेगा।
- **राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM)** और **मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर** किये गए हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/credit-flow-to-startups-and-rural-enterprises